Ek – यह केवल राक्षसों के राजकुमार बील्ज़ेबूब द्वारा है, कि
यह बंदा राक्षसों को भगाता है दूसरा मसीहाई चमत्कार: यीशु ने
एक अंधे मूक को ठीक किया मत्ती १२:२२-२४, मरकुस ३:२०-२२, लूका
११:१४-१५, यूहन्ना ७:२० | 1

– Save This Page as a PDF–

यह केवल राक्षसों के राजकुमार बील्ज़ेबूब द्वारा है, कि यह बंदा राक्षसों को भगाता है

दूसरा मसीहाई चमत्कार:यीशु ने एक अंधे मूक को ठीक किया

मत्ती १२:२२-२४, मरकुस ३:२०-२२, लूका ११:१४-१५, यूहन्ना ७:२०

खोदाई: जब फरीसियों ने कहा, “केवल राक्षसों के राजकुमार बील्ज़ेबब के द्वारा ही यह व्यक्ति राक्षसों को बाहर निकालता है,” वे किस बारे में बात कर रहे थे? यीशु का परिवार उसके बारे में चिंतित क्यों था? उन्होंने क्या सोचा कि उसके साथ क्या गलत था? उन्होंने उसके कार्यों की गलत व्याख्या कैसे की? येशुआ के चमत्कार पर सभी लोगों की क्या प्रतिक्रिया थी? मसीह द्वारा एक दुष्टात्मा से ग्रस्त व्यक्ति, जो अंधा और गूंगा था, को ठीक करने में इतना अलग क्या था? महासभा ने यह निष्कर्ष क्यों निकाला कि यीशु मसीहा में दुष्टात्मा थी? लेकिन असली कारण क्या था कि उन्हें अस्वीकार कर दिया गया?

चिंतन: आपने येशुआ के कार्यों की कब गलत व्याख्या की है? आखिरी बार कब उसने आपको एक कोने में रखा था और आपको निर्णय लेने के लिए मजबूर किया था? क्या आपको उस पर या अपनी परिस्थितियों पर भरोसा था? आपने अनुभव से क्या सीखा? जब कोई शैतान के किसी काम के लिए ईश्वर को दोषी ठहराता है तो आपकी क्या प्रतिक्रिया होती है?

एक बार फिर कफरनहूम में भीड़ द्वारा चमत्कार करने वाले रब्बी पर दबाव डाला जा रहा था। तभी यीशु एक घर में दाखिल हुए। पीटर और एंड्रयू का घर उस क्षेत्र में था और संभवतः यहीं वह गया था। और फिर एक भीड़ इकट्ठी हो गई, और भीड़ इतनी भीड़ गई कि मसीह और उसके प्रेरित खाना भी नहीं खा पाए (मरकुस ३:२०)।

जब प्रभु के परिवार ने सुना कि वह अपने काम में इतना तल्लीन है कि वह अपनी शारीरिक जरूरतों का भी ध्यान नहीं रख पा रहा है, तो वे उसकी देखभाल करने गए। शायद इसका मतलब यह था कि उन्होंने उसे वापस नाज़रेथ ले जाने का फैसला किया। इससे उसे उस तनाव से राहत मिलेगी जब इतने सारे लोग अपनी शारीरिक और आध्यात्मिक जरूरतों को पूरा करने के लिए उस पर लगातार दबाव डाल रहे थे। कार्यभार संभालने की क्रिया क्रैटियो है, जिसका अर्थ है कब्ज़ा करना, कब्ज़ा करना, कब्ज़ा करना, और इसका

Ek – यह केवल राक्षसों के राजकुमार बील्ज़ेबूब द्वारा है, कि
यह बंदा राक्षसों को भगाता है दूसरा मसीहाई चमत्कार: यीशु ने
एक अंधे मूक को ठीक किया मत्ती १२:२२-२४, मरकुस ३:२०-२२, लूका
११:१४-१५, यूहन्ना ७:२० | 2

उपयोग किसी को गिरफ्तार करने के लिए किया जाता है (मरकुस ६:१७, १२:१२, १४:१, ४४, ४६, ४९ और ५१). वे उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध बलपूर्वक ले जाने का इरादा कर रहे थे, क्योंकि उन्होंने कहा: वह उसके दिमाग से बाहर है (मरकुस ३:२१)। उनके अपने परिवार को एहसास हुआ कि कुछ अलग था। लेकिन, उन्होंने उसके कार्यों की गलत व्याख्या की और सोचा कि उसे खुद से बचाने की जरूरत है, लेकिन इससे उसके प्रति उनकी चिंता भी जाहिर हुई। उनका उत्साह उन्हें पागलपन की सीमा तक जा रहा था। मसीहा के उपचार मंत्रालय ने इसे समझाने के लिए सिद्धांतों की आवश्यकता पैदा की। हेरोदेस का अपना सिद्धांत था (मैथ्यू १४:१-१२), यीशु के परिवार का अपना था, और फरीसियों और टोरा-शिक्षकों का अपना था।

तब वे [फरिसी] उसके पास एक दुष्टात्मा से ग्रस्त मनुष्य को ले आए जो अंधा और गूंगा था (मत्ती १२:२२ए)। उस दिन दुष्टात्माओं को बाहर निकालने का कार्य विशेष रूप से असामान्य नहीं था। यहाँ तक कि फरीसी और उनके शिष्य भी दुष्टात्माओं को निकालने में सक्षम थे। यीशु ने बाद में कहा: यदि मैं शैतानों को शैतान की सहायता से निकालता हूं, तो तुम्हारे लोग उन्हें किस की सहायता से निकालते हैं (मत्ती १२:२७)? यहूदी लोगों ने पहले ही देख लिया था कि जिस तरह से फरीसियों ने राक्षसों को बाहर निकाला और जिस तरह से उसने उन्हें बाहर निकाला, उसमें अंतर था (मरकुस १:२१-२८)।

जब रब्बियों ने राक्षसों को बाहर निकाला तो उन्होंने एक विशिष्ट अनुष्ठान का प्रयोग किया। अनुष्ठान के तीन चरण थे। सबसे पहले, ओझा को राक्षस के साथ संचार स्थापित करना होगा। जब दानव बोलता था, तो वह उत्तर देने के लिए वश में किए गए व्यक्ति की आवाज का उपयोग करता था। दूसरा, राक्षस के साथ संचार स्थापित करने के बाद, रब्बी राक्षस का नाम पूछेंगे। तीसरा, एक बार राक्षस का नाम स्थापित करने के बाद, वह राक्षस को बाहर निकालने का आदेश देगा। बाद में, हम प्रभु को इसी तीन-चरणीय प्रक्रिया का उपयोग करते हुए पाते हैं जब यीशु ने पूछा: तुम्हारा नाम क्या है? राक्षस ने उत्तर दिया: सेना, क्योंकि हम बहुत हैं (मरकुस ५:९)। आम तौर पर वह उन्हें बिना किसी अनुष्ठान के बाहर निकाल देता था, यही बात उसकी झाड़-फूंक को इतना अलग बनाती है।

हालाँकि, जबकि फरीसी यहूदी धर्म इन तीन चरणों वाली प्रक्रिया का उपयोग करके भूत भगाने का अभ्यास करने में सक्षम था, एक प्रकार का राक्षस था जिसके बारे में वे कुछ नहीं कर सकते थे। यदि दुष्टात्मा के कारण व्यक्ति गूंगा हो जाता है, या बोलने में असमर्थ हो जाता है, तो उसके साथ किसी भी प्रकार का संचार स्थापित करने का कोई तरीका नहीं था। राक्षस के नाम का पता लगाने का कोई रास्ता नहीं होने के कारण, फरीसियों ने मूक राक्षस को बाहर निकालना असंभव समझा।

येशुआ के आने से बहुत पहले, प्राचीन रब्बियों ने चमत्कारों को दो श्रेणियों में विभाजित किया था। पहला, क्या वे चमत्कार थे जिन्हें कोई भी कर सकता था यदि

Ek – यह केवल राक्षसों के राजकुमार बील्ज़ेबूब द्वारा है, कि
यह बंदा राक्षसों को भगाता है दूसरा मसीहाई चमत्कार: यीशु ने
एक अंधे मूक को ठीक किया मत्ती १२:२२-२४, मरकुस ३:२०-२२, लूका
११:१४-१५, यूहन्ना ७:२० | 3

उन्हें ऐसा करने के लिए पवित्र आत्मा द्वारा सशक्त किया गया था। चमत्कारों की दूसरी श्रेणी को मसीहाई चमत्कार कहा जाता था, जो ऐसे चमत्कार थे जिन्हें केवल मसीहा ही कर सकता था। ये चमत्कार यशायाह ३५:५-६ से लिए गए थे क्योंकि रब्बियों ने उन्हें स्पष्ट रूप से मसीहाई समझा था। यीशु ने दोनों श्रेणियों में चमत्कार किये: सामान्य चमत्कार लेकिन मसीहाई चमत्कार भी। रब्बी की शिक्षा के कारण कि कुछ चमत्कार केवल मसीहा के लिए आरक्षित होंगे, जब भी उसने कोई मसीहा जैसा चमत्कार किया तो उसने अन्य प्रकार के चमत्कार करने की तुलना में एक अलग प्रकार की प्रतिक्रिया पैदा की। वहां रब्बियों ने सिखाया कि तीन मसीहाई चमत्कार थे। पहला था एक यहूदी कोढ़ी को शुद्ध करना, दूसरा था एक मूक राक्षस को बाहर निकालना, और तीसरा था एक जन्मांध व्यक्ति का उपचार करना (यशायाह पर मेरी टिप्पणी देखें Gl
– तिन मशिही चमत्कार) पर क्लिक करें।

महासभा अभी भी यह निर्धारित करने के लिए
पूछताछ के दूसरे चरण में थी कि क्या येशुआ मसीहा था (Lg – महान महासभा देखें)। जहाँ भी प्रभु जाते थे फरीसी निश्चित रूप से उनका अनुसरण करते थे, और वे उनकी हर गतिविधि पर नज़र रखते थे। और यीशु ने उसे चंगा किया, ताकि वह बोल सके और देख सके। यह ईसा मसीह का दूसरा मसीहाई चमत्कार था। यशायाह ने लिखा था कि जब मेशियाक आता था तो गूंगी जीभ खुशी से चिल्लाती थी (यशायाह ३५:६)। इस प्रकार, एक मूक राक्षस को बाहर निकालने से यहूदी जनता के बीच काफी हलचल मच गई। सभी लोग चकित हो गए और कहने लगे, “क्या यह दाऊद का पुत्र हो सकता है” (मत्ती १२:२२बी-२३; लूका ११:१४)? वे प्रश्न पूछने को तैयार थे, लेकिन वे स्वयं इसका उत्तर देने के लिए तैयार नहीं थे क्योंकि वे अपने लिए उस निर्णय के लिए महासभा की ओर देख रहे थे (देखें Eh – यीशु को महासभा द्वारा आधिकारिक तौर पर अस्वीकार कर दिया गया है)।

वे वास्तव में पूछ रहे थे, “क्या यह मसीहा है?” क्योंकि दाऊद का पुत्र एक मसीहाई उपाधि है। इससे पहले, जब यीशु ने अन्य प्रकार के राक्षसों को बाहर निकाला, तो लोगों ने यह प्रश्न नहीं पूछा। उन्होंने पूछा, “तुम किस अधिकार से दुष्टात्माओं को निकाल रहे हो?” लेकिन यहां, जब उन्होंने एक मूक राक्षस को बाहर निकाला, तो सवाल बदल गया क्योंकि यीशु ने वही किया जो उन्हें उनके रब्बियों ने सिखाया था, जो केवल अभिषिक्त व्यक्ति ही कर सकता था।

दांव इससे अधिक बड़ा नहीं हो सकता था। एक मसीहा जैसा चमत्कार करके, येशुआ ने

Ek – यह केवल राक्षसों के राजकुमार बील्ज़ेबूब द्वारा है, कि
यह बंदा राक्षसों को भगाता है दूसरा मसीहाई चमत्कार: यीशु ने
एक अंधे मूक को ठीक किया मत्ती १२:२२-२४, मरकुस ३:२०-२२, लूका
११:१४-१५, यूहन्ना ७:२० | 4

महासभा को एक कोने में खड़ा कर दिया और उन्हें निर्णय लेने के लिए मजबूर कर दिया। उनके पास दो विकल्प बचे थे. वे यीशु को मसीहा घोषित कर सकते थे, या उनके मसीहा संबंधी दावों को अस्वीकार कर सकते थे। उनकी समस्या यह थी कि यदि उन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया तो उन्हें इस बात का स्पष्टीकरण देना होगा कि वह उन चीजों को क्यों कर सकता है जो वे सिखा रहे थे कि केवल अपेक्षित व्यक्ति ही कर सकता है। वे उसके मसीहाई चमत्कार से इनकार नहीं कर सके। लेकिन इसके बजाय उन्होंने उसे और उसके मसीहाई दावों को अस्वीकार करना चुना। फरीसियों और टोरा-शिक्षक जो यरूशलेम से आए थे, उन्होंने कहा: वह बाल्ज़बूब के वश में है! दुष्टात्माओं के सरदार के द्वारा वह दुष्टात्माओं को निकाल रहा है (मैथ्यू १२:२४; मरकुस ३:२२; लूका ११:१५; यूहन्ना ७:२०)। शत्रु इस अर्थ में राक्षसों का राजकुमार है कि वह उनका शासक है, महत्व, विशेषाधिकार और शक्ति में उनमें से पहला है। यह इतना महत्वपूर्ण है कि सभी चार सुसमाचार लेखकों ने इस जीवन-परिवर्तनकारी घटना को दर्ज किया है। महान महासभा ने फैसला सुनाया कि ईश्वर का पुत्र शैतान की शक्ति से मसीहाई चमत्कार कर रहा था। यह मसीह के सेब्कायी में एक प्रमुख मोड़ था। इज़राइल या दुनिया के लिए चीज़ें कभी भी एक जैसी नहीं होंगी।

अंतिम विश्लेषण में, स्वयं को बहुत बुद्धिमान समझते हुए, फरीसियों ने कहा कि यीशु स्वयं दुष्टात्मा से ग्रसित थे। लेकिन, किसी सामान्य राक्षस द्वारा नहीं, बल्कि राक्षसों के राजकुमार, बील्ज़ेबूब द्वारा। सत्तर साल की बेबीलोनियन कैद के बाद जब यहूदी अंततः अपनी बाल पूजा से ठीक हो गए, तो रब्बियों ने विभिन्न देवताओं का मज़ाक उड़ाना शुरू कर दिया और उनके नाम विभिन्न राक्षसों पर लागू कर दिए। जाहिर तौर पर बाल राजकुमार, या बाल-ज़िबुल, को जानबूझकर मक्खी के स्वामी, या बाल-ज़िबूब के रूप में भ्रष्ट कर दिया गया था। यह एक स्वीकृति थी कि बाबुल के बुतपरस्त शहर में हर जगह मक्खियाँ पाई जाती हैं। इसलिए उन्होंने बील्ज़ेबुल (दूसरा राजा १:२-३, ६ और १६) के अंतिम अक्षर को “एल” से “बी” में बदल दिया, जिसका अर्थ है शाही महल का स्वामी, जिसे बील्ज़ेबूल कहा जाता है, जिसका अर्थ है मक्खियों का स्वामी या गोबर का स्वामी। ज़ाहिर वजहें।

उनके चमत्कारों का श्रेय बील्ज़ेबब को देकर, पहली सदी के रब्बी वास्तव में यीशु को सबसे खराब प्रकार का जादूगर और मूर्तिपूजक कह रहे थे। तल्मूड में एक आश्चर्यजनक समानांतर परिच्छेद में, कुछ संत मैथ्यू के विवरण से सहमत हैं। कुछ रब्बियों ने कहा, “येशुआ नाज़रीन ने जादू किया, इसराइल को धोखा दिया और उसे गुमराह किया” (ट्रैक्टेट सैनहेड्रिन १०७बी)। विशेष रूप से उत्सुकता की बात यह है कि रब्बियों का अनुमान है कि येशु (येशुआ के लिए उनका भ्रष्ट नाम जो वास्तव में “उसके नाम को शापित किया जा सकता है” या यमच शेमो वे-ज़िक्रो का संक्षिप्त रूप है) ने संभवतः मिस्र में रहने के दौरान विशेष जादू-टोना हासिल कर लिया था (मत्ती २:१३-२१)! उनके अनुयायियों की तुलना में भिन्न निष्कर्षों पर आते हुए, रब्बी साहित्य ऐतिहासिक यीशु के जीवन के कई विवरणों की अजीब तरह से पुष्टि करता

Ek – यह केवल राक्षसों के राजकुमार बील्ज़ेबूब द्वारा है, कि
यह बंदा राक्षसों को भगाता है दूसरा मसीहाई चमत्कार: यीशु ने
एक अंधे मूक को ठीक किया मत्ती १२:२२-२४, मरकुस ३:२०-२२, लूका
११:१४-१५, यूहन्ना ७:२० | 5

है। हमारी आस्था का जो भी दृष्टिकोण हो, उस समय की यहूदी ऐतिहासिक परंपराएँ इस बात की पुष्टि करती हैं कि, मिस्र में कुछ समय बिताने के बाद, उन्होंने इज़राइल में बड़े चमत्कारी संकेत दिखाए जिन्हें उनके विरोधियों ने भी स्वीकार किया।

सदियों से परमेश्वर के लोग अपने दिव्य उद्धारकर्ता, मसीहा की प्रतीक्षा कर रहे थे। इस्राएल के प्रत्येक धर्मनिष्ठ भविष्यवक्ता और शिक्षक की आशा उसे देखने के लिए जीवित रहने की थी; और हर यहूदी लड़की उसकी माँ बनने का सपना देखती थी। फिर भी, जब येशुआ आये तो उन्हें अस्वीकार कर दिया गया। यहां यहूदी नेतृत्व ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया। बाद में यरूशलेम शहर में उनके क्रूस पर चढ़ने से पहले यहूदी लोग चिल्लाए: उसका खून हम पर और हमारे बच्चों पर हो (मैथ्यू २७:२५)। उनकी अस्वीकृति के परिणामस्वरूप, यहूदी नेतृत्व और यहूदी लोगों को प्रभु से वापस आने के लिए कहना होगा, इससे पहले कि वह दूसरे आगमन पर वापस आएं (प्रकाशित बाक्य Ev पर मेरी टिप्पणी देखें – दूसरे आगमन का आधार)।

दानव कब्ज़ा उनकी व्याख्या का आधार था कि कैसे, एक ओर, यीशु मसीहा जैसे चमत्कार कर सकते थे, और दूसरी ओर, वह मसीहा नहीं थे। यह न केवल बाइबिल के वृत्तांत में, बल्कि रब्बी साहित्य में भी परिलक्षित होता है। रब्बी सिखाते हैं कि उन्हें यीशु को फसह के दिन मार डालना पड़ा, जो इस प्रथा के विपरीत था कि दावत के दिनों में फाँसी नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि उसने इसराइल को जादू-टोने के अभ्यास से बहकाया था। जादू-टोना और भूत-प्रेत में गहरा संबंध है। रब्बी यह भी सिखाते हैं कि जब येशुआ मिस्र में था (देखें Aw – हेरोदेस ने बेथलहम में दो साल और उससे कम उम्र के सभी लड़कों को मारने का आदेश दिया), उसने अपनी त्वचा में चीरे लगाए और उन चीरों के अंदर उसने YHVH का अनकहा नाम डाला (निर्गमन At देखें – मूसा की दूसरी आपत्ति और उत्तर)। वे सिखाते हैं कि यीशु ने उस माध्यम से चमत्कार किये।

इसलिए, मसीहा की अस्वीकृति का दिया गया कारण दुष्टात्मा का कब्ज़ा था; हालाँकि, असली कारण उनका मौखिक कानून को अस्वीकार करना था (देखें Ei – मौखिक कानून)। इज़राइल के नेतृत्व की इस कार्रवाई ने अगले २,००० वर्षों के लिए यहूदी इतिहास के लिए मंच तैयार किया। आज तक यहूदी मानते हैं कि यीशु में दुष्टात्मा थी।

१९१५ में पादरी विलियम बार्टन ने लेखों की एक श्रृंखला प्रकाशित करना शुरू किया। एक प्राचीन कथाकार की पुरातन भाषा का उपयोग करते हुए, उन्होंने अपने दृष्टान्तों को सफेड द सेज के उपनाम से लिखा। और अगले पंद्रह वर्षों तक उन्होंने सफ़ेद और उसकी स्थायी पत्नी केतुराह के ज्ञान को साझा किया। यह एक ऐसी शैली थी जिसका उन्होंने आनंद लिया। कहा जाता है कि १९२० के दशक की शुरुआत तक सफ़ेद के अनुयायियों की संख्या कम से कम तीन मिलियन थी। एक सामान्य घटना को आध्यात्मिक सत्य के चित्रण में बदलना हमेशा बार्टन के मंत्रालय का मुख्य विषय था।

जिस शहर में मैं रहता हूं, वहां एक आदमी व्याख्यान देने आया, और केतुरा और मैं गए।

Ek – यह केवल राक्षसों के राजकुमार बील्ज़ेबूब द्वारा है, कि
यह बंदा राक्षसों को भगाता है दूसरा मसीहाई चमत्कार: यीशु ने
एक अंधे मूक को ठीक किया मत्ती १२:२२-२४, मरकुस ३:२०-२२, लूका
११:१४-१५, यूहन्ना ७:२० | 6

और जिस विषय पर उसने बात की वह ऐसा विषय था जिसके बारे में वह बहुत कम जानता था। लेकिन उन्होंने उस छोटी सी बात को एक दिलचस्प बातचीत के रूप में फैलाया और लोगों ने इसका आनंद लिया और हमने भी। हाँ, और हमें इससे फ़ायदा हुआ, हालाँकि लेक्चरर जितना हमें बताता था उससे ज़्यादा कुछ नहीं जानता था।

और वहाँ एक और आदमी आया जो उसी विषय पर बात कर रहा था, और हम उसे सुनने गए। वह महान शिक्षा प्राप्त व्यक्ति थे। और मैंने कहा, अब क्या हम कुछ सार्थक सुनेंगे? लेकिन उन्होंने हमें विषय का इतिहास और इसे स्पष्ट करने के विभिन्न प्रयासों के बारे में बताकर शुरुआत की। और फिर उन्होंने इसके संबंध में सुझाए गए विभिन्न सिद्धांतों और इसके संबंध में विविध भाषाओं में लिखी गई पुस्तकों के बारे में बात की। और उन्होंने कहा कि विद्वानों द्वारा एक निश्चित राय रखी गई थी, लेकिन अब इसे अधिक महत्व नहीं दिया जाता है, लेकिन जो राय इसकी जगह लेनी थी वह विवाद में है। और उन्होंने विषय के विभिन्न पहलुओं का सुझाव दिया, जिन पर उन्होंने कहा कि वह चर्चा नहीं कर सकते क्योंकि उनमें से किसी एक पर वॉल्यूम की आवश्यकता होगी। और लगभग उसी समय रुकने का समय हो गया और वह रुक गया।

और जब हम अपने घर की ओर चले, तो कतूरा ने कहा, वह निश्चय ही बड़ा ज्ञानी पुरूष है।

और मैंने उत्तर दिया, हां, और दर्शकों के प्रयोजनों के लिए यह बेहतर होता यदि वह जो कुछ जानता है उसका दसवां हिस्सा भी जानता होता। क्योंकि पहले आदमी ने अपनी शो- विंडो में सारा सामान रखा था, और इस आदमी ने फुटपाथ को बंद कर दिया था, बिना खोले हुए डिब्बों और अपाच्य और बेकार ज्ञान की गठरियों से।

और केतुरा ने कहा, मैं ने सुना है कि थोड़ा ज्ञान खतरनाक चीज है।

और मैंने कहा, विश्वास मत करो। बीज के लिए थोड़ा-सा ज्ञान अच्छा है, परन्तु कुछ ऐसी बात है कि मनुष्य अपने ही ज्ञान में डूब जाता है। क्योंकि पहला आदमी बहुत कम जानता था, परन्तु उस थोड़े का उपयोग प्रभावशाली ढंग से करता था, और दूसरा आदमी बहुत कुछ जानता था, और यह बेकार था।

और मैं ने कतूरा से कहा, जैसे मकड़ी अपने ही जाल में फंस जाती है, वैसे ही बड़े ज्ञानी को भी जो जाल में नहीं फंसा पाता। ज़्यादा जानने और उसके दलदल में खो जाने से बेहतर है कि एक बच्चे की तरह थोड़ा-सा जानें और उसका बुद्धिमानी से उपयोग कर सकें।

और कतूरा ने कहा, तौभी मैं समझता हूं, कि ज्ञान अच्छा है, और थोड़े से ज्ञान की अपेक्षा अधिक ज्ञान उत्तम है।

और मैंने कहा, मनुष्य का सारा ज्ञान छोटा है, और जो अधिक जानता है और जो थोड़ा

[illegible]

[illegible]?

[illegible]?

[illegible]